

DPN 6139

Title : वसुंधरा व्रत विधि VASUNDHARĀ VRATA & VIDHI

Run. No. 6830

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Religious Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 20.5 x 7

Folios 16

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna Vajracarya

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Dark & dim

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : थाम थासुम रवै ला: ३ के चै
यचामे न दु

Remark : Broken statement

texts else where.

Carya songs also included

ॐ नमो अमोघपाद्म सेकनाभायः ॥ धन योगात्मन योग्यः थापन थाय ॥
सिद्धादि ~~colophon~~ — इति वसुंधारा धर्म विधि समाप्त ॥

५
सालमहर्षि २४ वसुधारा त्रिनि दिने

फराणिदुरत वंजाचाम

0
5

10

15

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
मया कृतं कर्म त्वं ज्ञास्यसि मे फलं ॥ किं मे कर्तुं शक्यं ॥ १ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ २ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ३ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ५ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ७ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ९ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १० ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ ११ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १२ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १३ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १५ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १७ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ १९ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन त्वं कुरु युधि ॥ २० ॥

ॐ श्राव सुखलाभाय नमः स्वाहा ॥ ॐ श्राव वज्रवलय सागरा नित्यं द्वा रवाय न थागा
यवज यव्य पतिष्ठ स्वाहा ॥ ॐ श्राव वलाकि ॐ श्राव नायवज यव्य
तष्ठ स्वाहा ॥ ॐ श्राव वज्रानयवज यव्य पतिष्ठ स्वाहा ॥ ॐ श्राव वस
ॐ लाय विवज यव्य पतिष्ठ स्वाहा ॥ ॐ श्राव वज्र लंछाय स्वाहा ॥ ॐ
वका नमः ॥ ॐ श्राव सखयाल नाय लाजायवज यव्य पतिष्ठ स्वाहा ॥ ॐ श्राव
स ॥ ॐ श्राव मलु लसवायक ॥ ॐ श्राव कुकार्य स्वाहा ॥ ॐ श्राव वका थका नमः ॥ ॐ श्राव

रुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वथ थक नमः ॥ ॐ श्राव सख्य स्वाहा ॥ ॐ श्राव वथ थक न
स ॥ ॐ श्राव वका नमः स्वाहा ॥ ॐ श्राव वका थक नमः ॥ ॐ श्राव मलु लसवायक
ॐ श्राव मानिरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वन ॥ ॐ श्राव वरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वस
वतुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वन ॥ ॐ श्राव वस वनोय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वस ॥ ॐ श्राव वि वि कुल
लिनाय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वका थक नमः ॥ ॐ श्राव कलि मालिनय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वथ थक न
ॐ श्राव वरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वथ थक न ॥ ॐ श्राव वरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ श्राव वका थक न

ॐ नमो न॥ वक्रो वक्रि चक्रु॥ रुगवक्रिग्रावसूत्रावा॥ रुगवक्रिग्रावसूत्रावा॥ रुगवक्रिग्रावसूत्रावा॥ रुगवक्रिग्रावसूत्रावा॥
॥ स॥ व॥ य॥ ज॥ य॥ व॥ क॥ ॥ अन॥ र॥ वै॥ क॥ न॥ व॥ सु॥ त्रि॥ ॥ व॥ स॥ व॥ ला॥ स॥ दा॥ न॥ वा॥ ॥ व॥ स॥ दा॥
लु॥ व॥ क॥ ल॥ नि॥ ॥ सा॥ व॥ न॥ या॥ यि॥ का॥ व॥ य॥ ल॥ कि॥ सि॥ वि॥ व॥ ड॥ य॥ डा॥ ॥ व॥ स॥ म॥ य॥ म॥ स॥ न॥ य॥ क॥
वि॥ स॥ म॥ य॥ म॥ य॥ सा॥ दा॥ ॥ नि॥ य॥ ह॥ क॥ ल॥ सा॥ न॥ वा॥ य॥ क॥ ॥ व॥ ड॥ न॥ मा॥ ल॥ य॥ य॥ म॥ ग॥ रु॥ व॥ डि॥
व॥ र॥ न॥ क॥ न॥ रु॥ ल॥ रु॥ रु॥ दि॥ वा॥ न॥ रु॥ थ॥ ॥ व॥ स॥ व॥ क॥ व॥ व॥ स॥ सि॥ ॥ कि॥ लि॥ डां॥ कि॥ क॥ लि॥
पू॥ वि॥ क॥ लि॥ म॥ स॥ का॥ र्क॥ सि॥ वि॥ क॥ लि॥ स्वा॥ हा॥ ॥ य॥ वे॥ वा॥ य॥ हा॥ न॥ पू॥ जा॥ ॥ रु॥ की॥ ॥ न॥ मा॥ सु॥

ॐ व॥ हा॥ व॥ वि॥ स॥ र्व॥ मि॥ हि॥ य॥ डा॥ यि॥ नि॥ ॥ न॥ मा॥ सु॥ ॥ न॥ हा॥ सी॥ व॥ स॥ व॥ वा॥ न॥ मा॥ सु॥ रु॥ ॥
थ॥ न॥ य॥ क॥ न॥ वा॥ स॥ म॥ वा॥ रु॥ न॥ रु॥ द॥ रु॥ ॥ सा॥ डा॥ ॥ रु॥ रु॥ न॥ व॥ ना॥ मा॥ डि॥ या॥ स॥ का॥ रु॥ ॥ डि॥ या॥ सि॥
का॥ रु॥ ॥ जा॥ व॥ डि॥ व॥ ॥ व॥ स॥ व॥ वा॥ व॥ रु॥ ॥ सु॥ मा॥ द॥ व॥ म॥ ॥ डि॥ य॥ ना॥ र्क॥ ॥ स॥ म॥ स॥ व॥ क॥ व॥ न॥
॥ सा॥ डि॥ रु॥ वा॥ रु॥ रु॥ थ॥ व॥ थ॥ व॥ ॥ ना॥ म॥ कि॥ थ॥ रु॥ न॥ ॥ क॥ व॥ य॥ वा॥ य॥ ॥ डि॥ या॥ मि॥ क॥ डि॥ ना॥
म॥ डि॥ व॥ न॥ व॥ रु॥ न॥ य॥ क॥ ल॥ ॥ व॥ स॥ व॥ वा॥ व॥ रु॥ ॥ थ॥ व॥ न॥ य॥ वा॥ रु॥ ॥ डि॥ या॥ न॥ रु॥ ॥ व॥ रु॥
थ॥ वा॥ सु॥ र्मा॥ द॥ या॥ रु॥ न॥ क॥ थ॥ द॥ व॥ म॥ ॥ थ॥ नि॥ स॥ र्ग॥ र्क॥ ॥ रु॥ रु॥ म॥ ॥ स॥ रु॥ व॥ न॥ क॥ म॥ स॥

[illegible][illegible]

स्वाहा ३७ ॥ उं श्राय रं क ल स्वा हा ३८ ॥ उं श्रा अ मा द्या क स जः ॥ व हा ३९ ॥ शि वि
 व रु नि स्वा हा ४० ॥ उं श्रा य व स नि स्वा हा ४१ ॥ उं श्रा लि नि म स्वा हा ४२ ॥ उं श्रा न
 म स्वा हा ४३ ॥ उं श्रा वि र म स्वा हा ४४ ॥ उं श्रा य र म स्वा हा ४५ ॥ उं श्रा क व स्वा हा
 ४६ ॥ उं श्रा र व स स्वा हा ४७ ॥ उं श्रा क र स्वा हा ४८ ॥ उं श्रा प य रु म स्वा हा ४९ ॥
 व स्वा हा ५० ॥ नि म स्वा हा ५१ ॥ क व स्वा हा ५२ ॥ उं श्रा म हा व ज्ञाय मा स्वा हा
 ५३ ॥ उं श्रा अ व रु नि स्वा हा ५४ ॥ उं श्रा य व रु नि स्वा हा ५५ ॥ उं श्रा क र

स्वा हा ५६ ॥ उं श्रा क स्वा हा ५७ ॥ उं श्रा उ क स्वा हा ५८ ॥ उं श्रा क स्वा हा ५९ ॥
 उं श्रा व य नि स्वा हा ६० ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ६१ ॥ उं श्रा नि स्वा हा ६२ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ६३ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ६४ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ६५ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ६६ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ६७ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ६८ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ६९ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७० ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७१ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ७२ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७३ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७४ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ७५ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७६ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७७ ॥
 उं श्रा य व य नि स्वा हा ७८ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ७९ ॥ उं श्रा य व य नि स्वा हा ८० ॥



निम्नाह ७८५३ सव सुखविता सतिहं फट स्वाहा ७८५३ उं काकाकाका समयम
 वस्मन स्वाहा १० ॥ उं ५१ यालियु नम स्वाहा ११ ॥ उं ५२ वसु धाम स्वाहा ॥ १२ ॥ उं
 आवसु धालि निम स्वाहा १३ ॥ उं ५३ सहल लकी रुकल निम नासि ये स्वाहा १४ ॥
 ॥ यी. क्षया हा नयुडा ॥ ॥ युति ॥ वलि विषको ॥ उं ५४ वसु ध
 सु ६६ द वलि म् रु ६७ व २ स्वाहि २ दान य नय ॥ धम्म एहि स न य नी वा न स्य ॥
 साहि य १६ क न स्वाहा ॥ पं ५५ य हा न युडा ॥ स्वा न नान को ॥ ५६ का क व
 ॥ न लु ल वि स ड न ॥ ०० हि सु ध ला ॥ धम्म वि वि समा र्थ ॥ ॥ ५७ रु

॥ १३ नमो वृषाय ॥ य के गरु सा न मा ह न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कालो नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शत्रुगधनाशिः शत्रुवयुगनागजमुखविनयनिगाद्यदवदवल नृणाधियतिगल
 श्वनाश्मलिमुक्ता नत्ता रात्रन नननीकिलनसंवासा ॥ ६२ ॥ मानियाविद्यु रानि
 यादर्थ्य मालियादूरवविनासंनश्मालियाना ना मानसं गुणा मयनूवयद्वद्वना
 सनंन नयनसुवानां दुशवक्र खज शिलिवनददिनकनाश्म सनधन
 घट्टा लम् घयनक्रगिदाम ॥ विविगुवसु वीचैकालि सा जगाश्रमलि
 मलिगा शल साधन धिग लम्वायनसा रा यायनमिलि शब्दार्थना ॥
 नत्ता नभृग नत्ता द्वालिगा ॥ मुखि कमूरव अगिंसुन्दन शविग्नगव न

मसुखदागा नमस्तु शत्रुनाधि धिगिना ध्रु ॥ शत्रुग कनति ४ उदित उव
 वाकमलासनकि नत्ता नलिगयुद वन स्वरा २ निर्मल हृदय कानूना
 मयनाथ ॥ शत्रुदूरव नयदागा ॥ गुह्यदवशयं शत्रुगले २ ति
 रुवन द्यायिगा जगत्तु ध्यानिश्रयन मिवरा मलाक शत्रुना ॥ ॥

पञ्चनवमश्रीचक्रमयश्रयासद्वश

विषसमायगसदङ्गवचकाडसुमादसकलमज्ञासिनाथध्वजनिविज
माकूदिसनलवि केङ्गगगनाच

मलिका

5

10

5

0

5

10

15

20

